न्यूज़ टुडे

एक अध्ययन के अनुसार लद्दाख के हानले में स्थित भारतीय खगोलीय वेधशाला (IAO) उपग्रह-आधारित क्वांटम कम्युनिकेशन के लिए संभावित रूप से एक आदर्श है

क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) सहित उपग्रह-आधारित क्वांटम कम्युनिकेशन वस्तुतः क्वांटम कम्युनिकेशन के लिए एक आशाजनक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

- यह **क्वांटम सिग्नल्स के साथ-साथ टेरा हर्ट्ज (Hz) आवृत्ति** पर काम करता है। गौरतलब है कि पारंपरिक उपग्रह-आधारित संचार **मेगा या गीगा हर्ट्ज (Hz) आवृत्ति** पर काम करता है।
- हालांकि, पृथ्वी के बहुस्तरीय और जटिल वायुमंडल से कम-से-कम नुकसान के साथ क्वांटम सिग्नल्स भेजने के लिए उपयुक्त स्थल का चयन करना एक महत्वपूर्ण पहलू है।

आदर्श स्थल के रूप में हानले के चयन हेतु उत्तरदायी कारक

- **उपयुक्त वायुमंडलीय दशाएं:** हानले एक **शुष्क और शीत मरुस्थल है, जहां सर्दियों में तापमान -25 से -30 डिग्री सेल्सियस** तक गिर जाता है।
  - यहां **वायुमंडलीय जल-वाष्प और ऑक्सीजन की सांद्रता का स्तर कम** है।
- **अनुकूल प्राकृतिक स्थिति:** यह लंबी दूरी के क्वांटम कम्युनिकेशन के लिए **ग्राउंड स्टेशन** स्थापित करने हेतु उपयुक्त है।
- **सिग्नल की कम हानि (44 dB):** यह अन्य दो सर्वोत्तम स्थलों **माउंट आबू (47 dB) और नैनीताल (48 dB) की तुलना में कम है।**

क्वांटम कम्युनिकेशन और क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन (QKD) के बारे में

- यह क्वांटम भौतिकी के नियमों के आधार पर **डेटा संचारित करने के लिए क्यूबिट या क्वांटम बिट्स (प्रकाश के फोटॉन कण)** का उपयोग करते हैं।
  - **क्वांटम कण वस्तुतः क्वांटम एंटेंगलमेंट और सुपरपोजिशन** के गुण प्रदर्शित करते हैं। इसके कारण ये **एक साथ 0 और 1 दोनों अवस्थाओं** में मौजूद हो सकते हैं।
  - ये डेटा सुरक्षा प्रदान करते हैं, क्योंकि जानकारी को क्वांटम अवस्था में हेरफेर किए बिना न तो एक्सेस किया जा सकता है और न ही कॉपी किया जा सकता है।
- **QKD सुरक्षित संचार की एक विधि है, जिसमें केवल साझा पक्षों के मध्य ज्ञात "एन्क्रिप्शन की" का आदान-प्रदान किया जाता है।**

एक अध्ययन के अनुसार 2023 में वैश्विक औसत तापमान में वृद्धि का संबंध निम्न-ऊंचाई वाले बादलों के आवरण में कमी से था

'द साइंस' पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन के अनुसार 2023 में **वैश्विक औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तरों से लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस ऊपर** पहुंच गया था। इसमें **0.2°C वृद्धि के लिए निम्न-ऊंचाई वाले बादलों का घटता आवरण** जिम्मेदार हो सकता है।

अध्ययन के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर

- निम्न-ऊंचाई वाले बादलों का आवरण सूर्य के प्रकाश को अंतरिक्ष में परावर्तित करके पृथ्वी को ठंडा रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। **2023 में वैश्विक स्तर पर इन बादलों के आवरण में 1.5% की गिरावट आई थी।** पिछले एक दशक में इन बादलों के आवरण में 1.27% की औसत गिरावट जारी है।
  - इस गिरावट के कारण पृथ्वी के **एल्बीडो में काफी कमी** आई है। **पृथ्वी के वायुमंडल और धरातल के संपर्क में आने के बाद सौर विकिरण का जो भाग अंतरिक्ष में परावर्तित हो जाता है, उसे एल्बीडो** कहते हैं।
- बादलों के आवरण में कमी **उत्तरी मध्य-अक्षांशों और उष्णकटिबंधीय महासागरों, विशेषकर अटलांटिक महासागर** में सर्वाधिक स्पष्ट देखी गई थी।
- इसके अलावा, **एल्बीडो में लगभग 15% की गिरावट आर्कटिक हिमवारण और समुद्री हिमवारण में गिरावट के चलते** हुई है। आर्कटिक और समुद्री हिमवारण सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **बादलों के आवरण में कमी के लिए जिम्मेदार कारण:** ऐसा मुख्य रूप से वायुमंडल में मानव जनित **एरोसोल की कम सांद्रता** के कारण हो सकता है। विशेष रूप से, मरीन फ्यूल पर सख्त नियमों के लागू होने के कारण एरोसोल का स्तर घट गया है।
  - **एरोसोल** वायुमंडल में निलंबित छोटे कण होते हैं तथा जलवायु, मौसम, स्वास्थ्य और पारिस्थितिकी को प्रभावित करते हैं।

निम्न ऊंचाई वाले बादल

- ये **पृथ्वी की सतह से 2 किमी के भीतर** ही बनते हैं।
- ये **लघु तरंगों को तो बेहतर रूप से परावर्तित** करते हैं, लेकिन दीर्घ-तरंगों को अंतरिक्ष में जाने से **नहीं रोकते हैं।**
- **इनके 2 मुख्य प्रकार हैं: स्तरी** (ये क्षैतिज रूप से विकसित होते हैं), और **कपासी** (ये ऊर्ध्वाधर रूप से विकसित होते हैं)।

उच्च ऊंचाई वाले बादल

- ये **औसत समुद्र तल से 6 किमी ऊपर ठंडी वायुमंडलीय परतों** में बनते हैं। ये **एक कंबल की तरह कार्य करते हुए** गर्मी को रोके रखते हैं।
- ये प्रायः **पतले होते हैं। ये लघु तरंगों को अच्छी तरह से परावर्तित नहीं** करते हैं, लेकिन **दीर्घ तरंगों को बहुत अच्छे** से रोकते हैं।
- **इनके 3 मुख्य प्रकार हैं**- पक्षाभ, पक्षाभ स्तरी, और पक्षाभ कपासी।

भारत और भूटान के शीर्ष नेताओं ने सहयोग के महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की

- हाल ही में, भूटान नरेश आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। इस दौरान भूटान नरेश और भारत के प्रधान मंत्री ने दोनों देशों के बीच स्थायी मैत्री एवं सहयोग के प्रति प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की। इसके अलावा, प्रधान मंत्री ने भूटान के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए अपना समर्थन भी सुनिश्चित किया।
- **आधिकारिक यात्रा पर संयुक्त वक्तव्य**
  - **परियोजनाएं और पहलें:** भूटान नरेश **ने गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी (GMC) विशेष प्रशासनिक क्षेत्र** के लिए अपने विज़न को प्रकट किया। साथ ही, इस परियोजना पर भारत और भूटान द्वारा एक साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला।
    - भूटान नरेश द्वारा परिकल्पित **GMC एक नवोन्मेषी शहरी विकास परियोजना है। यह आर्थिक संवृद्धि को जागरूकता, समग्र जीवन निर्वाह और संधारणीयता के साथ एकीकृत** करती है।
  - **ऊर्जा सहयोग:** दोनों पक्षों ने जलविद्युत क्षेत्रक में सहयोग के महत्त्व को दोहराया और **पुनात्सांगछू-I जलविद्युत परियोजना** को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। इसके अलावा, **1020 मेगावाट की पुनात्सांगछू-II जलविद्युत परियोजना** पर हुई प्रगति का भी उल्लेख किया।
  - **कनेक्टिविटी और अवसंरचना: दर्रांगा में एकीकृत चेक पोस्ट खोलने** को पूर्वी भूटान में पर्यटन एवं आर्थिक गतिविधियों के लिए फायदेमंद माना गया।
  - **अंतरिक्ष और STEM क्षेत्र में सहयोग:** दोनों देशों ने अंतरिक्ष क्षेत्रक में सहयोग के लिए संयुक्त कार्य योजना के कार्यान्वयन में हुई प्रगति का स्वागत किया। साथ ही, STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) विषयों पर जोर देते हुए शिक्षा के क्षेत्रक में बढ़ते सहयोग पर संतोष व्यक्त किया।

भारत-भूटान संबंध

- **मैत्री संधि:** इसका आधार **1949 में हस्ताक्षरित मैत्री और सहयोग संधि** है। इसे **फरवरी 2007** में नवीनीकृत किया गया था।
- **व्यापार और आर्थिक संबंध:** भारत भूटान का शीर्ष व्यापार साझेदार है। दोनों देशों के बीच व्यापार **2014-15 में 484 मिलियन अमरीकी डॉलर था, जो 2022-23 में** लगभग तीन गुना बढ़कर **1606 मिलियन अमरीकी डॉलर** हो गया था।
- **विकास साझेदारी:** भारत 1960 के दशक की शुरुआत से ही भूटान का प्रमुख विकास साझेदार रहा है। भारत ने भूटान की पंचवर्षीय योजनाओं में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।
- **रक्षा और सुरक्षा:** भारत चीन के खिलाफ **डोकलाम ट्राई-जंक्शन पर भूटान के दावों का समर्थन** करता है।

RBI ने लघु वित्त बैंकों को UPI के माध्यम से क्रेडिट लाइन की सुविधा प्रदान करने की अनुमति दी

हाल ही में, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने **लघु वित्त बैंकों (SFBs) को एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) के माध्यम से पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइन की सुविधा प्रदान करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है।**

UPI के माध्यम से SBFs द्वारा क्रेडिट लाइन के बारे में

- इस सुविधा के तहत कोई SFB किसी ग्राहक के लिए पूर्व स्वीकृत क्रेडिट लाइन के जरिए **UPI सिस्टम के माध्यम से उसे क्रेडिट लाइन** (लोन) प्रदान कर सकता है। इसके बाद ग्राहक क्रेडिट लाइन का उपयोग करके UPI से पेमेंट कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए ग्राहक की पूर्व सहमति अनिवार्य है।
  - ज्ञातव्य है कि सितंबर 2023 में, RBI ने अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा ग्राहकों को **UPI के माध्यम से पूर्व-स्वीकृत क्रेडिट लाइन** की सुविधा प्रदान करने की अनुमति दी थी।
- **महत्त्व:** इसका उद्देश्य **वित्तीय समावेशन को बढ़ाना देना** और 'नए ऋण' लेने वाले ग्राहकों के लिए **औपचारिक ऋण को सुगम** बनाना है।

लघु वित्त बैंकों (SBFs) के बारे में

- **उत्पत्ति:** इनकी घोषणा **केंद्रीय बजट 2014-15** में की गई थी।
- **उद्देश्य:** निम्नलिखित के माध्यम से वित्तीय समावेशन को बढ़ाना:
  - मुख्य रूप से ऐसे लोगों को बचत की सुविधाएं प्रदान करना, जो अब तक बैंकिंग सेवाओं से वंचित थे या जिनके पास बैंकिंग सेवाओं की बहुत कम उपलब्धता थी।
  - उच्च प्रौद्योगिकी आधारित कम परिचालन लागत के माध्यम से लघु व्यापारिक इकाइयों; लघु और सीमांत किसानों; सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों तथा असंगठित क्षेत्रक की संस्थाओं को ऋण उपलब्ध कराना।
- **पंजीकरण:** ये **कंपनी अधिनियम, 2013** के तहत **पब्लिक लिमिटेड कंपनी** के रूप में स्थापित हैं।
- **लाइसेंस: बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 22 के अंतर्गत** प्रदान किया जाता है।
- **पूंजी संबंधी अनिवार्यता:** मिनिमम पेड-अप वोटिंग इक्विटी कैपिटल **200 करोड़ रुपये**। यह अनिवार्यता शहरी सहकारी बैंकों से लघु वित्त बैंकों में तब्दील हुए SBFs पर लागू नहीं होती है।

- **प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रक को ऋण (PSL) हेतु मानदंड:** RBI द्वारा वर्गीकृत प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रकों को अपने **समायोजित निवल बैंक ऋण (Adjusted Net Bank Credit: ANBC) का 75%** प्रदान करना अनिवार्य है।

भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर के अनुसार, सरकार ने अब तक डी-डॉलराइज़ेशन की दिशा में विचार नही किया है

हाल ही में, RBI गवर्नर ने स्पष्ट किया है कि सरकार ने अब तक डी-डॉलराइजेशन की दिशा में कदम नहीं उठाया है। भारत वर्तमान में अपने घरेलू व्यापार को भू-राजनीतिक अस्थिरता से उत्पन्न जोखिम से मुक्त करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

डी-डॉलराइजेशन क्या है?

- **इसके बारे में:** इसका उद्देश्य **मौजूदा डॉलराइजेशन की व्यवस्था को बदलना** है। यदि यह संभव होता है तो इससे वैश्विक व्यापार और वित्तीय लेन-देन में डॉलर के उपयोग में उल्लेखनीय कमी आएगी।
  - **डॉलराइजेशन** का अर्थ है वैश्विक बाजार में अमेरिकी डॉलर का ऐतिहासिक वर्चस्व।
- **हालिया रुझान: भारत, ब्राजील, रूस, चीन और इंडोनेशिया** जैसे देश अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए **स्थानीय मुद्रा व्यापार की ओर बढ़** रहे हैं।
  - भारत ने **रूस** सहित अलग-अलग देशों के साथ **भारतीय रुपये (INR) में ट्रेड इन्वॉयसिंग की अनुमति** दी है।
  - हालिया **ब्रिक्स शिखर सम्मेलन (कज़ान, 2024) में भी साझा ब्रिक्स मुद्रा की संभावना** पर चर्चा हुई थी।

देश डी-डॉलराइजेशन की ओर क्यों बढ़ रहे हैं?

- **विनिमय दर जोखिम में कमी:** डी-डॉलराइजेशन देशों को अपनी स्थानीय मुद्राओं में व्यापार करने की अनुमति देता है। साथ ही, इससे **अमेरिकी डॉलर के मूल्य में उतार-चढ़ाव से जुड़े जोखिम भी कम** होते हैं।
- **उन्नत मौद्रिक नीति नियंत्रण:** इससे देशों को अमेरिकी डॉलर से प्रभावित हुए बिना अपनी आर्थिक स्थितियों के लिए उपयुक्त रणनीतियों को लागू करने में मदद मिलेगी।
- **भू-राजनीतिक लाभ:** अमेरिका अपने प्रभुत्व और प्रतिबंधों के माध्यम से डॉलर का हथियार की तरह इस्तेमाल करता आया है। डी-डॉलराइजेशन अमेरिका के इस तरह के कदम को हतोत्साहित कर सकता है।

डी-डॉलराइजेशन से जुड़ी चुनौतियां क्या हैं?

- **वित्तीय लेन-देन को प्रभावित करना:** वर्तमान में क्रूड ऑयल, स्वर्ण जैसी कई मदों की कीमतें डॉलर में तय और विनियमित की जाती हैं। डी-डॉलराइजेशन लेन-देन की इस प्रक्रिया को जटिल बना सकता है।
- **वित्तीय अस्थिरता:** अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा के रूप में डॉलर का आकस्मिक परित्याग घरेलू मुद्राओं के समक्ष विनिमय दरों में उतार-चढ़ाव, महंगे ऋण जैसे जोखिम पैदा कर सकता है।

निष्कर्ष

भारत के मामले में, डी-डॉलराइजेशन को रुपये के **अंतर्राष्ट्रीयकरण—रुपीफिकेशन** के साथ पूरित किया जा सकता है, जो किसी भी संस्था को रुपये की खरीद या बिक्री पर पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान करेगा।

केंद्रीय रेल मंत्री ने संपूर्ण रेलवे सिस्टम के संचालन को बेहतर बनाने के लिए तकनीकी प्रणालियों का निरीक्षण किया

- **इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS) और रोड सह रेल निरीक्षण वाहन (RCRIV)** जैसी अत्याधुनिक प्रणालियां भारतीय रेलवे की ट्रैक सुरक्षा एवं संचालन की गुणवत्ता को बेहतर बनाएंगी।
- RCRIV एवं ITMS के बारे में
  - **रोड सह रेल निरीक्षण वाहन (RCRIV):** यह **रेलवे ट्रैक की सटीकता और दक्षता के साथ निरीक्षण करने** वाली एक बहुउपयोगी मशीन है। यह सड़क और रेल दोनों पर निर्बाध रूप से काम करती है।
    - **विशेषताएं:** इसमें **एडवांस कैमरे और मजबूत पहिये** लगे हुए हैं, जो 15 दिन के बैकअप के साथ ट्रेक का रिकॉर्डिंग रखने में सक्षम हैं।
  - **इंटीग्रेटेड ट्रैक मॉनिटरिंग सिस्टम (ITMS):** एक उच्च-प्रदर्शन प्रणाली है, जो ट्रैक की निगरानी, माप और सुरक्षा के लिए नवीनतम तकनीकों का इस्तेमाल करती है। ITMS को ट्रैक रिकॉर्डिंग कार (TRC) पर लगाया जाता है। यह कार 20 से 200 किमी प्रति घंटे की गति से ट्रैक का विश्लेषण कर सकती है।
    - **विशेषताएं:** इसमें **लेजर सेंसर, हाई-स्पीड कैमरे, GPS और LiDAR** प्रणाली शामिल हैं, जो ट्रैक की स्थिति एवं संभावित दोषों का पता लगाते हैं।
      - यह तकनीक संरचनात्मक दोषों की वास्तविक समय पर रिपोर्टिंग सक्षम बनाती है, तथा त्वरित प्रतिक्रिया के लिए ट्रैकमैनों को **वास्तविक समय पर अलर्ट जारी** करती है।
- रेलवे सुरक्षा से जुड़ी मुख्य चिंताएं
  - **सिग्नल संबंधी त्रुटियाँ:** जून, 2024 में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटना रेल मार्गों पर लगाए जाने वाले ऑटोमेटिक सिग्नलिंग सिस्टम के खराब होने के कारण हुई थी।
  - **सुरक्षा कर्मचारियों की कमी:** रेलवे में सुरक्षा श्रेणी के अंतर्गत 10 लाख स्वीकृत पदों में से 1.5 लाख से अधिक पद रिक्त हैं। इससे मौजूदा कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ रहा है।
  - **मानवीय त्रुटि:** खराब रखरखाव कार्य, सुरक्षा नियमों का पालन न करना आदि सहित कर्मचारियों की ओर से होने वाली चूक भी रेल दुर्घटनाओं का एक प्रमुख कारण है।

रेलवे की सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए कुछ कदम

- **राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष (RRSK):** इसे 2017-18 में शुरू किया गया था। इसका कार्य सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों को प्रतिस्थापित करना, नवीनीकृत करना और उन्हें अपग्रेड करना है।
- **इलेक्ट्रिकल/ इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम:** मानवीय लुटि के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को समाप्त करने के लिए पॉइंट्स और सिग्नलों का केंद्रीकृत संचालन।
- **कवच:** स्वदेश में विकसित **स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (ATP)** प्रणाली।
  - यह **स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर** लोको पायलट की सहायता करता है और **प्रतिकूल मौसम की स्थिति के दौरान सुरक्षित संचालन** सुनिश्चित करता है।

अन्य सुर्ख़ियां

विशेषाधिकार प्रस्ताव

हाल ही में **विपक्षी सदस्यों द्वारा संसद** में एक विशेषाधिकार प्रस्ताव पेश किया गया।

विशेषाधिकार प्रस्ताव के बारे में

- यह **संसदीय विशेषाधिकारों के कथित उल्लंघन** के संबंध में संसद सदस्यों द्वारा सदन के पीठासीन अधिकारी से किया गया **औपचारिक अनुरोध** है।

संसदीय विशेषाधिकारों के बारे में

- संसदीय विशेषाधिकार संसद के एक अनिवार्य अंग के रूप में **संसद के दोनों सदनों और उनके सदस्यों** को अपने कार्यों को कुशलतापूर्वक संपन्न करने के लिए दिए गए **कुछ विशेषाधिकार एवं उन्मुक्तियां** हैं।
- ये विशेषाधिकार प्रत्येक सदन को सामूहिक रूप से और प्रत्येक सदन के सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से प्राप्त हैं। इनके बिना सदस्य व सदन अपने कार्यों का कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से निर्वहन नहीं कर सकते हैं।
- ये विशेषाधिकार अन्य निकायों अथवा व्यक्तियों को प्राप्त अधिकारों से कहीं अधिक हैं।
- संसदीय विशेषाधिकार **संहिताबद्ध नहीं** हैं। ये अधिकार संविधान के **अनुच्छेद 105, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908, एवं संसदीय परिपाटियों** जैसे अलग-अलग प्रावधानों से प्राप्त होते हैं।

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कन्वेंशन

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए कन्वेंशन के तहत अंतर-सरकारी समिति का 19वां सत्र पराग्वे में आयोजित किया जा रहा है।

कन्वेंशन के बारे में

- यह एक **अंतर्राष्ट्रीय समझौता** है जिसे **यूनेस्को ने 2003** में अपनाया था।
- **अमूर्त सांस्कृतिक विरासत (ICH)** समुदायों के भीतर पीढ़ियों से जारी प्रथाओं, प्रतिनिधित्व, अभिव्यक्ति, ज्ञान और जानकारी को संदर्भित करती है।
- **ICH के 5 व्यापक डोमेन** है, जिनमें शामिल हैं:
  - मौखिक परंपराएं और अभिव्यक्तियां,
  - प्रदर्शन कलाएं,
  - सामाजिक प्रथाएं, अनुष्ठान और उत्सव संबंधी कार्यक्रम,
  - प्रकृति और ब्रह्मांड से संबंधित ज्ञान व प्रैक्टिस,
  - पारंपरिक शिल्प कौशल।
- **भारत की 15 अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें** यूनेस्को की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हैं।

विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) खाते

हाल ही में, RBI ने **विदेशी पूंजी के प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) [FCNR (B)] खातों** पर ब्याज दर की सीमा बढ़ाने की घोषणा की है।

FCNR (B) के बारे में

- यह एक प्रकार का **सावधि जमा खाता** (Deposit account) होता है। इसे **अनिवासी भारतीयों (NRI) और भारतीय मूल के व्यक्तियों (PIO)** द्वारा किसी भी ऐसी स्वीकृत विदेशी मुद्रा में खोला जा सकता है, जो स्वतंत्र रूप से परिवर्तनीय हो।
- **अन्य प्रकार के NRI बैंक खाते:**
  - **अनिवासी (बाह्य) रुपया खाता (NRE):** बचत, चालू, आवर्ती या सावधि जमा खाता जो NRI या PIO द्वारा भारतीय रुपए में खोला जा सकता है।
  - **अनिवासी साधारण रुपया खाता (NRO):** बचत, चालू, आवर्ती या सावधि जमा खाता जिसे भारत के बाहर का कोई भी निवासी व्यक्ति रुपये में अपने वास्तविक (प्रामाणिक) लेन-देन के लिए खोल सकता है।

यू.एन. कमीशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स (UNCND)

हाल ही में, भारत को पहली बार **UNCND के 68वें सत्र की अध्यक्षता** के लिए चुना गया है।

UNCND के बारे में

- **उत्पत्ति: संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद** (ECOSOC) के संकल्प द्वारा **1946** में कमीशन ऑन नारकोटिक ड्रग्स (UNCND) की स्थापना की गई थी। इसे **अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ नियंत्रण संधियों के अनुप्रयोग के पर्यवेक्षण में ECOSOC की सहायता** करने के लिए स्थापित किया गया है।
- **सदस्य:** ECOSOC द्वारा निर्वाचित **53 सदस्य देश**।
- **कार्य:** यह **संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (UNODC) के शासी निकाय** के रूप में कार्य करता है।
- **अधिदेश:** आपूर्ति और मांग में कमी को ध्यान में रखते हुए ड्रग्स की वैश्विक स्थिति की समीक्षा और विश्लेषण करता है।

केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय

हाल ही में, **आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति** ने 85 नए **केंद्रीय विद्यालयों (KVs)** 28 नए **जवाहर नवोदय विद्यालयों (JNVs)** की स्थापना को मंजूरी दी है।

- लगभग सभी KVs और JNVs को **पी.एम. श्री स्कूल** के रूप में नामित किया गया है। पी.एम. श्री स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विज़न को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

केंद्रीय विद्यालय के बारे में

- केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों, साथ ही साथ गैर-स्थानांतरणीय कर्मचारियों और दूरदराज तथा कम विकसित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के बच्चों को एक समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है।
- इनकी स्थापना केंद्रीय विद्यालय योजना (केंद्रीय क्षेत्रक योजना) के तहत की गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय के बारे में

- JNVs पूरी तरह से **आवासीय विद्यालय** हैं। इनकी स्थापना मुख्य रूप से **ग्रामीण क्षेत्रों के प्रतिभाशाली बच्चों को कक्षा VI से XII तक अच्छी गुणवत्ता वाली आधुनिक शिक्षा** प्रदान करने के लिए की गई है।
- इन्हें **नवोदय विद्यालय योजना** (केंद्रीय क्षेत्रक योजना) के तहत स्थापित किया गया है।

मोड़रे सुपरकंडक्टर

हाल ही के एक अध्ययन में बताया गया है कि अर्धचालक सामग्रियों से बनी **मोड़रे मटेरियल** ने अतिचालकता की स्थिति का प्रदर्शन किया है। यह एक ऐसी विशेषता है जिसे कभी ग्राफीन प्रणाली के लिए विशिष्ट माना जाता था।

मोड़रे मटेरियल के बारे में

- **ये क्या हैं:** मोड़रे मटेरियल सुपरलैटिस संरचना वाली सामग्रियां हैं, जो परतों के अल्टरनेटिव लेयर्स से बनती हैं। इनकी अद्वितीय संरचना के कारण, इनमें कई अनोखे गुण पाए जाते हैं।
  - ये सामग्रियां तब बनती हैं जब दो परतों को एक दूसरे के ऊपर एक छोटे से कोण पर रखा जाता है।
- **लाभ: ट्यून करने योग्य इलेक्ट्रिकल और ऑप्टिकल गुण** के साथ-साथ ये **अतिचालकता, ऑर्बिटल चुंबकत्व और क्वांटम गुण आदि** को प्रदर्शित करते हैं।

मारबर्ग वायरस रोग (MVD)

हाल ही में, रवांडा में मारबर्ग वायरस रोग (MVD) के प्रकोप से कम-से-कम 15 लोगों की मौत हो गई है और कम-से-कम 66 लोग इसके वायरस से संक्रमित हैं।

MVD या मारबर्ग हेमोरेजिक फीवर (रक्तस्रावी बुखार) के बारे में

- **कारक:** ऑर्थोमारबर्गवायरस मारबर्गेंस प्रजाति के **मारबर्ग वायरस** (MARV) **और रेवन वायरस** (RAVV)।
- मानव को MVD संक्रमण **रूसेटस फ्रूट बैट्स** विशेष रूप से **इजिप्शियन फ्रूट बैट्स (रूसेटस एजिप्शियाकस)** की बसावट वाली खानों या गुफाओं में लंबे समय तक काम करते रहने से होता है।
- **संक्रमण का प्रसार:** मानव-से-मानव में संक्रमण का प्रसार मुख्य रूप से संक्रमित व्यक्ति के रक्त, शारीरिक स्राव, अंगों, या अन्य शारीरिक तरल पदार्थों के सीधे संपर्क (क्षतिग्रस्त त्वचा या श्लेष्मा झिल्ली के माध्यम से) में आने से होता है।
- **लक्षण: मारबर्ग बुखार के लक्षण अचानक शुरू होते हैं,** जैसे- तेज बुखार, तेज सिरदर्द, तीव्र घबराहट, मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द आदि।

इंदिरा गांधी पुरस्कार

चिली की पूर्व राष्ट्रपति **मिशेल बाचेलेट** को शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए **इंदिरा गांधी पुरस्कार, 2024 से सम्मानित** किया जाएगा।

- यह पुरस्कार उन्हें लैंगिक समानता, मानवाधिकार और लोकतंत्र में सुधार के लिए उनके कार्य हेतु प्रदान किया जाएगा।

इंदिरा गांधी पुरस्कार के बारे में

- यह पुरस्कार **हर साल उन व्यक्तियों और संगठनों** को दिया जाता है जो **अंतर्राष्ट्रीय शांति और निरस्त्रीकरण** आदि को बढ़ावा देने की दिशा में रचनात्मक प्रयास करते है।
- पुरस्कार के तहत **10 मिलियन रुपये और प्रशस्ति पत्र के साथ एक ट्रॉफी** दी जाती है।
- पुरस्कार के लिए प्रस्तावों की जांच और अंतिम चयन इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा नामित एक जूरी द्वारा किया जाता है। यह **जूरी 5 से 9 प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मिलकर** बनती है।

पी.एम. ई-विद्या योजना

हाल ही में, भारत सरकार ने **पी.एम. ई-विद्या** योजना के तहत एक नया **DTH टीवी चैनल (चैनल 31)** शुरू किया है। यह चैनल विशेष रूप से **श्रवण बाधित छात्रों और शिक्षकों** के लिए भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) में शिक्षण सामग्री प्रसारित करेगा। इस पहल का उद्देश्य श्रवण बाधित लोगों को शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर प्रदान करना है।

- यह एक पूर्ण विकसित भाषा है जो श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए संचार का प्रमुख माध्यम है। यह दृश्य संकेतों, चेहरे के भावों और शरीर की गतिविधियों का उपयोग करके विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का एक प्रभावी तरीका है।

पी.एम. ई-विद्या योजना के बारे में

- इस योजना का शुभारम्भ **मई 2020 में शिक्षा मंत्रालय ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के एक हिस्से के रूप** में किया था।
- **उद्देश्य:** कोविड-19 महामारी के दौरान शिक्षा में आए व्यवधानों को दूर करने के लिए डिजिटल, ऑनलाइन और ऑन-एयर प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से शिक्षा तक मल्टी-मोड पहुंच प्रदान करना।
- **मुख्य घटक:**
  - दीक्षा/ DIKSHA (स्कूल शिक्षा के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचा),
  - स्वयं/ SWAYAM),
  - डिजिटल रूप से सुलभ सूचना प्रणाली (DAISY),
  - वर्चुअल लैब्स और
  - स्किलिंग ई-लैब, आदि।

म्यूल हंटर. एआई (MuleHunter.AI)

RBI ने एक नया AI टूल लॉन्च किया है जिसका नाम **म्यूल हंटर** है। यह टूल उन बैंक खातों को ढूंढने में मदद करेगा जो **धोखाधड़ी के काम में इस्तेमाल** होते हैं। इससे **डिजिटल धोखाधड़ी को कम** किया जा सकेगा।

- **म्यूल अकाउंट्स का उपयोग अपराधियों द्वारा धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग)** गतिविधियों के लिए किया जाता है।
- अज्ञात व्यक्तियों द्वारा आर्थिक लाभ के लिए ये खोले जाते हैं, जिससे इनकी पहचान करना कठिन हो जाता है।

म्यूल हंटर. एआई के बारे में

- इसका विकास **रिजर्व बैंक इनोवेशन हब** (RBIH) द्वारा किया गया है। यह RBI की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है।
- यह टूल रियल-टाइम निगरानी के आधार पर संदिग्ध म्यूल अकाउंट की कुशलतापूर्वक पहचान करने के लिए **ए.आई./ मशीन लर्निंग आधारित साधनों** का उपयोग करता है।